# 19-04-2024

## स्वदेशी प्रौद्योगिकी क्रूज मिसाइल

### खबरों में क्यों?

- रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने 18 अप्रैल, 2024 को ओडिशा के तट पर एकीकृत परीक्षण रेंज (ITR), चांदीपुर से स्वदेशी प्रौद्योगिकी क्रूज़ मिसाइल (ITCM) का सफल उड़ान परीक्षण किया।

### समाचार के बारे में अधिक जानकारी

- मिसाइल के प्रदर्शन की निगरानी उड़ान पथ की पूरी कवरेज सुनिश्चित करने के लिए आईटीआर द्वारा विभिन्न स्थानों पर तैनात रडार, इलेक्ट्रो ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम (ईओटीएस) और टेलीमेट्री जैसे कई रेंज सेंसर द्वारा की गई थी।

- मिसाइल की उड़ान पर भारतीय वायुसेना के Su-30-Mk-I विमान से भी नजर रखी गई।
- मिसाइल ने वे पॉइंट नेविगेशन का उपयोग करके वांछित पथ का अनुसरण किया और बहुत कम ऊंचाई वाली समुद्री-स्किमिंग उड़ान का प्रदर्शन किया।
- बेंगलुरु द्वारा विकसित स्वदेशी प्रणोदन प्रणाली के विश्वसनीय प्रदर्शन को भी स्थापित किया है ।
- बेहतर और विश्वसनीय प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए मिसाइल उन्नत एवियोनिक्स और सॉफ्टवेयर से भी लैस है।
- मिसाइल को अन्य प्रयोगशालाओं और भारतीय उद्योगों के योगदान के साथ बेंगलुरु स्थित डीआरडीओ प्रयोगशाला वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान (एडीई) द्वारा विकसित किया गया है।
- इस परीक्षण को विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के कई वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ-साथ उत्पादन भागीदार के प्रतिनिधियों ने भी देखा।

## नौसेना स्टाफ के अगले प्रमुख

### खबरों में क्यों?

- सरकार ने वाइस एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी , पीवीएसएम, एवीएसएम, एनएम को, जो वर्तमान में नौसेना स्टाफ के उप प्रमुख के रूप में कार्यरत हैं, 30 अप्रैल, 2024 की दोपहर से अगले नौसेना प्रमुख के रूप में नियुक्त किया है।

### समाचार के बारे में अधिक जानकारी

- नौसेना स्टाफ के वर्तमान प्रमुख, एडमिरल आर हरि कुमार, पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएसएम 30 अप्रैल, 2024 को सेवा से सेवानिवृत्त हो रहे हैं।
- 15 मई 1964 को जन्मे वाइस एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी को 01 जुलाई 1985 को भारतीय नौसेना की कार्यकारी शाखा में नियुक्त किया गया था।
- एक संचार और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध विशेषज्ञ, उनकी लगभग 39 वर्षों की लंबी और विशिष्ट सेवा रही है।
- नौसेना स्टाफ के उप प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालने से पहले, उन्होंने पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में कार्य किया था।
- सैनिक स्कूल, रीवा और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खडकवासला के पूर्व छात्र , वाइस एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज, वेलिंगटन में पाठ्यक्रम पूरा किया है ; नेवल हायर कमांड कोर्स, करंजा और यूनाइटेड स्टेट्स नेवल वॉर कॉलेज, यूएसए में नेवल कमांड कॉलेज।

## विश्व विरासत दिवस 2024

### खबरों में क्यों?

- विश्व विरासत दिवस, जिसे स्मारकों और स्थलों के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस (आईडीएमएस) के रूप में भी जाना जाता है , सांस्कृतिक विरासत का सम्मान और सुरक्षा करने के लिए हर साल 18 अप्रैल को मनाया जाता है।

### समाचार के बारे में अधिक जानकारी

- इस दिन, कई संगठन, समाज, सरकारें और व्यक्ति ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण की वकालत करने और उनके महत्व के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने के लिए एक साथ आते हैं।
- अंतर्राष्ट्रीय स्मारक और स्थल परिषद (ICOMOS) ने 1982 में विश्व विरासत दिवस बनाया, जिसे स्मारक और स्थल के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस भी कहा जाता है।
- विश्व विरासत दिवस का उद्देश्य हमारी सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के बारे में स्थानीय समुदायों के बीच जागरूकता बढ़ाना है।
- इस वर्ष विश्व विरासत दिवस की थीम 'विविधता की खोज करें और अनुभव करें' है।
- सर्वाइवल इंटरनेशनल, जो स्वदेशी और/या आदिवासी लोगों और संपर्क रहित लोगों के अधिकारों के लिए अभियान चलाता है, ने विश्व विरासत दिवस 2024 पर लॉन्च की गई एक नई रिपोर्ट में यूनेस्को पर स्वदेशी लोगों के अवैध निष्कासन और दुर्व्यवहार में शामिल होने का आरोप लगाया।
- रिपोर्ट के अनुसार, कई यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, वास्तव में, उस भूमि पर स्थित हैं जो कभी स्वदेशी भूमि थी।

- रिपोर्ट में छह विश्व धरोहर स्थलों को सूचीबद्ध किया गया है जो चोरी की गई स्वदेशी भूमि पर कब्जा करते हैं। तीन अफ्रीका में और तीन एशिया में हैं।
- उनमें नागोरोंगोरो संरक्षण क्षेत्र (तंजानिया), काहुजी-बेगा राष्ट्रीय उद्यान (कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य), ओडज़ाला-कोकौआ राष्ट्रीय उद्यान (कांगो गणराज्य), काएंग शामिल हैं। क्रचन वन परिसर (थाईलैंड), काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान (भारत) और चितवन राष्ट्रीय उद्यान (नेपाल)।

## वर्ल्ड क्राफ्ट सिटी के लिए श्रीनगर में होड़

### खबरों में क्यों?

- वर्ल्ड क्राफ्ट्स काउंसिल इंटरनेशनल (डब्ल्यूसीसीआई) की तीन सदस्यीय टीम, जिसका नेतृत्व साद अल- कद्दूमी कर रहे हैं , शिल्प समूहों, इसमें शामिल प्रक्रियाओं और कारीगरों की स्थिति का निरीक्षण करने के लिए श्रीनगर में है।

### समाचार के बारे में अधिक जानकारी

- विश्व शिल्प परिषद इंटरनेशनल (डब्ल्यूसीसीआई), एक कुवैत स्थित संगठन जो दुनिया भर में पारंपरिक शिल्प की मान्यता और संरक्षण पर काम कर रहा है, ने इस साल भारत से वर्ल्ड क्राफ्ट सिटी (डब्ल्यूसीसी) के रूप में अपने अंतिम नामांकन से पहले अपने शिल्प समूहों के मानचित्रण के लिए श्रीनगर को चुना है। .
- टीम ने कई समूहों का निरीक्षण किया है जहां कारीगर पश्मीना शॉल, कालीन, कागज़ जैसे स्थानीय शिल्प पर काम कर रहे थे माचे आदि। वे मूल्यांकन कर रहे हैं कि कितने शिल्पों ने खुद को जीवित रखा है, कारीगरों के लिए पहल की गई है और इसमें सदियों पुरानी प्रथाएं शामिल हैं। ये वे पैरामीटर हैं जो किसी शहर को वर्ल्ड क्राफ्ट सिटी (डब्ल्यूसीसी) टैग के लिए योग्य बनाते हैं।
- दुनिया भर के शहरों को डब्ल्यूसीसी का दर्जा देने के वार्षिक समारोह का उद्देश्य "हस्तशिल्प को बढ़ावा देना, संरक्षित करना और विकसित करना" और "नए बाजार संपर्क बनाना" है।
- वर्तमान समय में श्रीनगर भारत के संभावित शहरों में से एक है। शहर को शामिल करने के बारे में अंतिम घोषणा अगले दो महीनों में होने की संभावना है।
- डब्ल्यूसीसीआई ने इस साल नवंबर में श्रीनगर में

अपनी वार्षिक बैठक आयोजित करने का भी प्रस्ताव रखा है।

- यह मेगा कार्यक्रम कश्मीर के स्थानीय कारीगरों को दुनिया भर के सर्वश्रेष्ठ कारीगरों के साथ बातचीत करने में मदद करेगा।
- 1964 में स्थापित WCCI, "दुनिया भर में आय उत्पन्न करने वाली शिल्प संबंधी गतिविधियों, विनिमय कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, सम्मेलनों, सेमिनारों और प्रदर्शनियों के माध्यम से आर्थिक विकास को बढ़ावा देने" के पीछे है।
- इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज-कश्मीर (INTACH-K) अंतिम नामांकन से पहले शिल्प क्षेत्र का मानचित्रण करने के लिए जम्मू-कश्मीर हस्तशिल्प विभाग के साथ सहयोग कर रहा है।
- आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 416 वर्ग किलोमीटर में फैले श्रीनगर में 20,822 कारीगरों का एक पंजीकृत कारीगर आधार है, जो कागज के कई शिष्यों में शामिल हैं। माछ , अखरोट की लकड़ी की नक्काशी, हाथ से बुने हुए कालीन, कानी शॉल, खतमबंद , पश्मीना , सोज़नी शिल्प आदि।
- श्रीनगर में शिल्प संबंधी कुल कार्यबल लगभग 1.76% है। 2016-17 तक जम्मू-कश्मीर की समग्र अर्थव्यवस्था में हस्तशिल्प का योगदान 2.64% था।

## एएफएमएस और आईआईटी कानपुर के बीच समझौता ज्ञापन ( एमओयू )।

### खबरों में क्यों?

- 18 अप्रैल 2024 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान और प्रशिक्षण के लिए एक समझौता ज्ञापन ( एमओयू ) पर हस्ताक्षर किए।

### समाचार के बारे में अधिक जानकारी

- समझौता ज्ञापन पर महानिदेशक सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा लेफ्टिनेंट जनरल दलजीत सिंह और कार्यवाहक निदेशक, आईआईटी कानपुर प्रोफेसर एस गणेश ने हस्ताक्षर किए ।
- इस समझौता ज्ञापन के तहत , एएफएमएस और आईआईटी कानपुर मिलकर कठिन इलाकों में सैनिकों के सामने आने वाली स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान के लिए अनुसंधान करेंगे और नई तकनीक विकसित करेंगे।
- आईआईटी कानपुर सशस्त्र बल मेडिकल कॉलेज में स्थापित सशस्त्र बल कम्प्यूटेशनल मेडिसिन के लिए एआई डायग्नोस्टिक मॉडल विकसित करने के लिए तकनीकी विशेषज्ञता भी प्रदान करेगा, जो भारत में मेडिकल कॉलेजों में अपनी तरह का पहला है।
- एमओयू के दायरे में फैकल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम, संयुक्त शैक्षणिक गतिविधियां और प्रशिक्षण मॉड्यूल के विकास की भी योजना बनाई जाएगी।
- एएफएमएस सैनिकों को उच्चतम स्तर की चिकित्सा देखभाल प्रदान करने के लिए समर्पित है और आईआईटी जैसे राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों के साथ सहयोग इस प्रतिबद्धता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

# GS FOUNDATION COURSE

## FOR BPSC

# ADMISSION OPEN

upto 50% OFF*

हिंदी माध्यम | ENGLISH MEDIUM MODE: Online & Offline